VIDEO
Play

भजन

तर्ज–भूल जा मुझको मैं तेरे प्यार के काबिल

क्यों दिखाया ऐसा आलम,रूहों के काबिल नही
ये वो बस्ती है जहां,कोई खुशी हासिल नही

1–मेरी निसबत आपसे है,क्यूं हुए हम बेखबर
कैसी मदहोशी है जिसमे ,होश मे ये दिल नही

2–वास्ते हम इश्क के ही भूले है अपने धाम को
इश्क ही मंजिल है अपनी, और कोई मंजिल नही

3–है ये कैसी बेबसी यहां जो हमे तड़पा रही
आप चाहो तो छुड़ा लो, ये कोई मुश्किल नही